



चार भागों में बाँटते
हुए मात्रा कम करना।

आमने - सामने के
भागों को हटाना



साफ कपड़े के बैग में नमूने लेना।

चार भागों में बाँटकर मात्रा कम करना (300 से 500 ग्रा)

सतही मृदा			
0 से 30 से.मी			
30 से 60 से.मी.			

✗ सामने के भाग को हटाना

✓ चिह्न वाले भागों को लेना

सामान्य अनुशंसा / सुझाव

- शहतूत बागानों के व्यवस्थित अनुरक्षण हेतु 25 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष की दर से दो अलग मात्राओं में उर्वरक का प्रयोग करना अनिवार्य है।
- नाइट्रोजन का प्रयोग अमोनियम सल्फेट के रूप में किया जा सकता है।
- फॉस्फोरस का प्रयोग एकल सुपर फॉस्फेट के रूप में किया जाना चाहिए।
- पोटेश को म्यूरिएट ऑफ पोटेश के रूप में डाला जाना चाहिए।

शहतूत के लिए अनुकूल मृदा उर्वरता मान

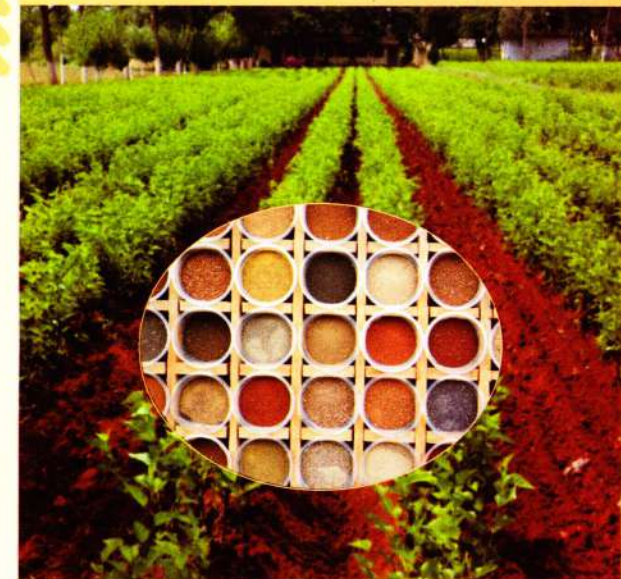
विवरण (मद)	मात्रा
पी एच	6.5 से 7.5 तक
विद्युत चालकता (डी.एस/मी)	< 1.00
जैव कार्बन (%)	0.65 से 1.00
उपलब्ध फॉस्फोरस (कि.ग्रा./हे)	15 से 25 तक
उपलब्ध पोटेशियम (कि.ग्रा./हे)	120 से 240 तक

संपर्क:
निदेशक

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान
केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय
भारत सरकार, श्रीरामपुरा, मैसूरु - 570 008
दूरभाष : 0821-2362845 फैक्स : 0821 2362845
वेबसाइट : www.csrtimys.res.in ईमेल : csrtimys.csb@nic.in

मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता प्रबंधन

मृदा स्वास्थ्य - रेशम उत्पादन की पूँजी



केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान
केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय
भारत सरकार, श्रीरामपुरा, मैसूरु - 570 008

फसल उत्पादन का बुनियादी घटक मृदा है। यह एक सजीव (जीवंत) माध्यम है जो पौधों की वृद्धि के लिए प्राकृतिक स्रोत के रूप में कार्य करता है। पौधों के लिए अनिवार्य सभी पोषक तत्वों को उचित एवं संतुलित अवस्था में उपलब्ध कराने की मृदा की क्षमता को मृदा उर्वरता या मृदा स्वास्थ्य कहा जाता है। यह पौधों, जानवरों और मनुष्य को जीवित रखने वाले महत्वपूर्ण पारितंत्र के रूप में कार्य करती है। इसलिए मृदा की उर्वरता को हानि पहुँचाए बिना उर्वरकों का संतुलित प्रयोग उत्पादकता बढ़ाए जाने हेतु आवश्यक है।

सभी फसलों के द्वारा मृदा से पोषक तत्वों का अवशोषण किया जाता है। इसी कारण से मृदा की उर्वरता कम होती रहती है। यह स्थिति यदि लंबे समय तक बनी रहती है तो संतुलित उर्वरक पद्धति अपनायी जानी चाहिए। संतुलित उर्वरक पद्धति में जैव खादों और जैव उर्वरकों के साथ रासायनिक उर्वरकों का विवेकपूर्ण उपयोग भी शामिल है। मृदा की उर्वरता बढ़ाने तथा मृदा में सही मात्रा में पोषक तत्वों की उपलब्धता बनाए रखने हेतु अम्लीय / क्षारीय मृदा - स्थिति को सुधारने की आवश्यकता होती है। उर्वरकों के माध्यम से पोषक तत्व बढ़ाने के पहले यह देखना चाहिए कि मृदा में कौन-से पोषक तत्व उपलब्ध हैं या फसलों द्वारा कौन सा उर्वरक अवशोषित किया गया है। भलीभाँति मृदा परीक्षण करने पर मृदा में विद्यमान पोषक तत्वों का लाभ उठाने के साथ-साथ फसल की माँग के अनुरूप पर्याप्त उर्वरक का प्रयोग भी सुनिश्चित किया जा सकता है।

मृदा - नमूना एवं परीक्षण

मृदा की उर्वरता की स्थिति की जाँच करने तथा उर्वरक, खाद आदि की अनुशंसा करने हेतु मृदा परीक्षण किया जाता है। यह मृदा की सुधार - विधि निर्धारित करने में सहायक होता है। मृदा सुधार प्रबंधन कार्यक्रम का महत्वपूर्ण कदम है - मृदा नमूनों को परीक्षण हेतु अच्छी तरह इकट्ठा करना।

मृदा - नमूने इकट्ठा करने की विधि

- नमूना इकट्ठा करने के सतह से अवशिष्टों को निकालना।
- टेढ़े-मेढ़े तरीके से 25 - 30 स्थानों से सतही तौर पर मृदा नमूने इकट्ठा कर लें।
- छः या आठ स्थानों का चयन करके 30 सें. मी. तक गड्ढा खोदें। प्रत्येक गड्ढे के पार्श्व से खोद कर मृदा निकालें एवं एक कपड़े के बैग में डालें।
- उसी गड्ढे को नीचे 60 सें. मी. तक खोदकर 30-60 सें. मी. तक पार्श्व से मृदा निकालकर अलग बैग में डालें।
- सभी गड्ढे से उतनी ही गहराई से मृदा नमूनों को मिलाकर कपड़े / प्लास्टिक शीट / समाचार पत्र में फैलाकर छाया में सुखाएं। कंकड़, कचड़े, अवशिष्ट पदार्थ आदि चुनकर फेंक दें।
- सूखे मृदा को वृत्ताकार रूप में फैलाकर चार समान भागों में बाँटें। आमने - सामने के ढेर को छोड़कर शेष दो भागों की मृदा को मिलाकर 300 - 500 ग्रा. मृदा नमूना लेने हेतु इस प्रक्रिया को दोहराएं।

- लेबल में कृषक का नाम, पता, सर्वेक्षण सं. आदि होना चाहिए।

ध्यान देने योग्य बातें

- शहतूत पौधों की छंटाई के बाद और खादों / उर्वरकों का अनुप्रयोग करने के पहले मृदा नमूनों को इकट्ठा करें।
- वर्षा या सिंचाई के तुरंत बाद नमूनों को एकत्रित न करें।
- फसल उगाया गया है तो दो पंक्तियों के बीच में से नमूने लें।
- पेड़ों, सिंचाई / निकासी मार्ग, बंध, छायादार स्थान, कंपोस्ट गड्ढे और शहतूत पौधों के जड़ों के आसपास से मृदा (मिट्टी) न लें।
- मृदा का रंग और रूप - रचना आदि एक समान न हो तो अलग ब्लॉक बनाकर प्रत्येक ब्लॉक से नमूने एकत्रित करें।



सतही मृदा नमूना संग्रहण



0 से 30 से.मी. मृदा नमूना संग्रहण



30 से 60 से.मी. मृदा नमूना संग्रहण



मृदा नमूने को मिलाकर फैलाना